

हास, प्रावधान और संचय

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» हास का अर्थ और आवश्यकता

प्रश्न 1 (आसान). हास (Depreciation) का मुख्य कारण क्या है?

उत्तर – स्थायी परिसंपत्तियों का उपयोग, समय का बीत जाना, या अप्रचलन (obsolescence)।

प्रश्न 2 (आसान). क्या ज़मीन (Land) पर हास लगता है?

उत्तर – नहीं, ज़मीन पर हास नहीं लगता क्योंकि आमतौर पर उसका मूल्य कम नहीं होता, बल्कि बढ़ता है।

प्रश्न 3 (मध्यम). अगर एक मशीन का लागत मूल्य ₹2,50,000 है और उसका अनुमानित जीवन 5 साल है, तो सालाना हास कितना होगा?

उत्तर – ₹50,000 प्रति वर्ष (₹2,50,000 / 5 साल)।

प्रश्न 4 (कठिन). हास को रिकॉर्ड करना क्यों ज़रूरी है? इसका व्यवसाय के लाभ-हानि पर क्या असर पड़ता है?

उत्तर – हास को रिकॉर्ड करना ज़रूरी है ताकि व्यवसाय की परिसंपत्तियों का सही मूल्य पता चले और व्यवसाय के लाभ-हानि का सही आकलन हो सके। अगर हास नहीं लगाया तो लाभ ज़्यादा दिखेगा जो कि गलत होगा।

» हास की विशेषताएँ

प्रश्न 5 (आसान). क्या हास स्थायी परिसंपत्तियों पर लगता है?

उत्तर – हाँ, हास सिर्फ स्थायी परिसंपत्तियों पर लगता है।

प्रश्न 6 (आसान). क्या हास में 'कैश' खर्च होता है?

उत्तर – नहीं, हास एक गैर-नकदी व्यय है, इसमें सीधे कैश खर्च नहीं होता।

प्रश्न 7 (मध्यम). हास के कोई दो कारण बताओ।

उत्तर – उपयोग करने से घिसावट, समय के बीतने से पुराना होना या नई तकनीक आने से अप्रचलित हो जाना।

प्रश्न 8 (कठिन). एक पुरानी बिल्डिंग पर लगातार मरम्मत करवाने से उसका मूल्य बढ़ रहा है, तो क्या इस पर हास लगेगा? क्यों?

उत्तर – हाँ, फिर भी हास लगेगा। मरम्मत से उसका जीवन बढ़ सकता है या वह बेहतर हो सकती है, लेकिन मूलभूत रूप से 'समय' के साथ उसका मूल्य कम होता रहेगा और वह पुरानी होती जाएगी। हास का मतलब सिर्फ घिसावट नहीं, समय बीतने से भी मूल्य कम होता है।

» हास, रिक्तीकरण और परिशोधन में अंतर

प्रश्न 9 (आसान). ट्रक के मूल्य में कमी को क्या कहेंगे?

उत्तर – हास

प्रश्न 10 (आसान). पेट्रोल के कुएँ के संसाधनों में कमी को क्या कहेंगे?

उत्तर – रिक्तीकरण

प्रश्न 11 (मध्यम). पेटेंट के मूल्य में समय के साथ आने वाली कमी को क्या कहते हैं?

उत्तर – परिशोधन

प्रश्न 12 (कठिन). एक कंपनी की 'गुडविल' (खयाति) का मूल्य समय के साथ कम होने पर कौन सा शब्द प्रयोग होता है?

उत्तर – परिशोधन

» हास के कारण

प्रश्न 13 (आसान). एक कार रोज़ाना इस्तेमाल होने से उसके टायर घिस जाते हैं. यह हास का कौन सा कारण है?

उत्तर – घिसावट (Wear and Tear)

प्रश्न 14 (आसान). एक सॉफ्टवेयर कंपनी ने 5 साल के लिए एक पेटेंट खरीदा, जिसकी अवधि अब खत्म हो गई है. यह हास का कौन सा कारण है?

उत्तर – कानूनी अधिकारों की समाप्ति (Expiry of Legal Rights)

प्रश्न 15 (मध्यम). एक किसान ने ट्रैक्टर खरीदा. 2 साल बाद, बाढ़ आने के कारण ट्रैक्टर में बहुत ज़्यादा नुकसान हो गया. यह हास का कौन सा कारण है?

उत्तर – असामान्य तत्व (Abnormal Factors)

प्रश्न 16 (कठिन). एक फर्नीचर दुकान ने 10 साल पहले कुछ लकड़ी की अलमारियां बनाईं. वे अभी भी मजबूत हैं, पर आजकल लोग धातु की या मॉड्यूलर अलमारियां पसंद करते हैं, जिससे लकड़ी की अलमारियों की मांग कम हो गई है. हास के कौन-कौन से कारण यहाँ लागू होते हैं?

उत्तर – यहाँ मुख्य कारण 'अप्रचलन' (Obsolescence) है, क्योंकि फैशन और ग्राहकों की पसंद बदल गई है. साथ ही, 'समय का बीत जाना' (Passage of Time) भी एक कारण हो सकता है, क्योंकि समय के साथ चीज़ें पुरानी लगती हैं, भले ही उनकी बनावट अच्छी हो.

» हास की गणना को प्रभावित करने वाले तत्व

प्रश्न 17 (आसान). एक कंप्यूटर ₹50,000 में खरीदा गया। इसका अवशिष्ट मूल्य ₹5,000 और उपयोगी जीवनकाल 5 वर्ष है। हास योग्य लागत क्या होगी?

उत्तर – ₹45,000

प्रश्न 18 (आसान). यदि एक मशीन की लागत ₹2,00,000 है और वार्षिक हास ₹20,000 है, तो 5 साल बाद मशीन की पुस्तक मूल्य क्या होगी (अवशिष्ट मूल्य को छोड़कर)?

उत्तर – ₹1,00,000

प्रश्न 19 (मध्यम). एक उपकरण की लागत ₹60,000 है, इसका अनुमानित उपयोगी जीवनकाल 6 वर्ष है और वार्षिक हास ₹8,000 है। तो, इसका अनुमानित अवशिष्ट मूल्य क्या होगा?

उत्तर – ₹12,000

प्रश्न 20 (कठिन). एक पुरानी प्रिंटिंग मशीन ₹3,00,000 में खरीदी गई थी और ₹50,000 उसे ठीक करवाने में खर्च हुआ। कंपनी को लगता है कि यह 8 साल चलेगी और फिर ₹30,000 में बिकेगी। सालाना हास कितना होगा?

उत्तर – ₹30,000 (हास योग्य लागत = 3,00,000 + 50,000 - 30,000 = 3,20,000; हास = 3,20,000 / 8 = 40,000)

» हास गणना की सीधी रेखा विधि (Straight Line Method)

प्रश्न 21 (आसान). एक फर्नीचर 50,000 रुपये में खरीदा गया। इसका अनुमानित उपयोगी जीवन 5 वर्ष है और अवशिष्ट मूल्य 5,000 रुपये है। सीधी रेखा विधि से वार्षिक हास की गणना करें।

उत्तर – वार्षिक हास = (50,000 - 5,000) / 5 = 9,000 रुपये

प्रश्न 22 (आसान). एक कंप्यूटर 30,000 रुपये का है। उपयोगी जीवन 3 वर्ष और अवशिष्ट मूल्य शून्य है। वार्षिक हास क्या होगा?

उत्तर – वार्षिक हास = (30,000 - 0) / 3 = 10,000 रुपये

प्रश्न 23 (मध्यम). एक प्लांट 2,50,000 रुपये में खरीदा गया। इस पर 10% वार्षिक हास सीधी रेखा विधि से लगाया जाता है। यदि इसका अवशिष्ट मूल्य 25,000 रुपये है, तो इसका उपयोगी जीवनकाल क्या होगा?

उत्तर – वार्षिक हास = $(2,50,000 - 25,000) \times 10\% = 22,500$ रुपये। उपयोगी जीवनकाल = $(2,50,000 - 25,000) / 22,500 = 10$ वर्ष।

प्रश्न 24 (कठिन). एक मशीन 1,20,000 रुपये में खरीदी गई। इस पर सीधी रेखा विधि से 15% वार्षिक हास लगाया जाता है। 4 साल बाद इसका पुस्तक मूल्य (Book Value) क्या होगा? (अवशिष्ट मूल्य शून्य मानें)।

उत्तर – वार्षिक हास = $1,20,000 \times 15\% = 18,000$ रुपये। 4 साल का कुल हास = $18,000 \times 4 = 72,000$ रुपये। 4 साल बाद पुस्तक मूल्य = $1,20,000 - 72,000 = 48,000$ रुपये।

» हास गणना की क्रमागत हास विधि (Written Down Value Method)

प्रश्न 25 (आसान). अगर एक परिसंपत्ति का पुस्तक मूल्य 50,000 रुपये है और हास दर 10% है (क्रमागत हास विधि), तो पहले साल का हास कितना होगा?

उत्तर – 5,000 रुपये

प्रश्न 26 (आसान). क्रमागत हास विधि में हर साल हास की राशि _____ होती जाती है।

उत्तर – कम

प्रश्न 27 (मध्यम). एक मशीन की लागत 1,00,000 रुपये है। 10% क्रमागत हास विधि का उपयोग करके, 2 साल बाद मशीन का पुस्तक मूल्य क्या होगा?

उत्तर – 81,000 रुपये

प्रश्न 28 (कठिन). एक फर्नीचर की लागत 75,000 रुपये है। पहले साल 15% की दर से हास लगाया गया। दूसरे साल, बचे हुए पुस्तक मूल्य पर 10% की दर से हास लगाया गया। दूसरे साल के अंत में फर्नीचर का पुस्तक मूल्य क्या होगा?

उत्तर – 57,375 रुपये

» सीधी रेखा और क्रमागत हास विधि का तुलनात्मक विश्लेषण

प्रश्न 29 (आसान). सीधी रेखा विधि में हास किस मूल्य पर लगाया जाता है?

उत्तर – मूल लागत पर

प्रश्न 30 (आसान). किस विधि में हास की राशि हर साल घटती जाती है?

उत्तर – क्रमागत हास विधि

प्रश्न 31 (मध्यम). अगर आप एक ऐसी परिसंपत्ति खरीद रहे हैं जो कुछ सालों में बिल्कुल बेकार हो जाएगी, तो आप कौन सी हास विधि पसंद करेंगे और क्यों?

उत्तर – सीधी रेखा विधि, क्योंकि यह पूरी लागत को उसके उपयोगी जीवन पर समान रूप से बांट देती है।

प्रश्न 32 (कठिन). एक नई टेक्नोलॉजी वाली मशीन पर, जिसकी शुरुआती सालों में ज़्यादा घिसावट होती है और तेज़ी से नए मॉडल आते हैं, कौन सी हास विधि ज़्यादा उपयुक्त होगी और क्यों?

उत्तर – क्रमागत हास विधि, क्योंकि यह शुरुआती सालों में ज़्यादा हास लगाती है, जो परिसंपत्ति की वास्तविक घिसावट और अप्रचलन को बेहतर ढंग से दर्शाता है।

» हास के अभिलेखन की पद्धतियां

प्रश्न 33 (आसान). हास को अभिलेखित करने की दो मुख्य पद्धतियां कौन सी हैं?

उत्तर – परिसंपत्ति खाते पर हास लगाना और हास पर प्रावधान खाता/ संचित हास खाता बनाना।

प्रश्न 34 (आसान). यदि हास सीधे परिसंपत्ति खाते से घटाया जाता है, तो जर्नल एंट्री में क्रेडिट क्या होगा?

उत्तर – परिसंपत्ति खाता (जैसे मशीन खाता या फर्नीचर खाता)।

प्रश्न 35 (मध्यम). ₹50,000 की मशीन पर 15% क्रमागत हास विधि से पहले वर्ष का हास निकालें और Provision for Depreciation Account का उपयोग करते हुए जर्नल एंट्री बताएं।

उत्तर – हास = ₹50,000 का 15% = ₹7,500। एंट्री: Depreciation A/c Dr. ₹7,500 To Provision for Depreciation A/c Cr. ₹7,500।

प्रश्न 36 (कठिन). एक कंपनी ने ₹2,00,000 का फर्नीचर खरीदा। उस पर 10% सीधी रेखा विधि से हास लगाना है। यदि कंपनी Provision for Depreciation Account बनाए रखती है, तो तीसरे वर्ष के अंत में Provision for Depreciation Account का बैलेंस कतिना होगा?

उत्तर – हर साल हास = ₹2,00,000 का 10% = ₹20,000। तीसरे वर्ष के अंत में Provision for Depreciation Account का बैलेंस = ₹20,000 (पहला वर्ष) + ₹20,000 (दूसरा वर्ष) + ₹20,000 (तीसरा वर्ष) = ₹60,000।

» परिसंपत्ति का निपटान/विक्रय और परिसंपत्ति निपटान खाते की उपयोगिता

प्रश्न 37 (आसान). एक पुरानी कुर्सी जिसकी लागत 2,000 रुपये थी, 500 रुपये के हास के बाद 1,200 रुपये में बेची गई। लाभ या हानि बताएं।

उत्तर – पुस्तक मूल्य = 2000 - 500 = 1500 रुपये। बिक्री मूल्य = 1200 रुपये। हानि = 1500 - 1200 = 300 रुपये।

प्रश्न 38 (आसान). यदि एक मशीन 50,000 रुपये में खरीदी गई थी और 2 साल बाद उस पर कुल 15,000 रुपये का हास लग चुका है। अगर उसे 40,000 रुपये में बेचा जाए, तो परिसंपत्ति निपटान खाते में क्या प्रभाव होगा?

उत्तर – पुस्तक मूल्य = 50,000 - 15,000 = 35,000 रुपये। बिक्री मूल्य = 40,000 रुपये। लाभ = 40,000 - 35,000 = 5,000 रुपये। परिसंपत्ति निपटान खाते में 5,000 रुपये का लाभ क्रेडिट होगा।

प्रश्न 39 (मध्यम). एक कंपनी ने 1,50,000 रुपये का एक वाहन खरीदा। उस पर 3 साल तक हर साल 10% सीधी रेखा विधि से हास लगाया गया। चौथे साल के शुरुआत में उस वाहन को 90,000 रुपये में बेच दिया गया। यदि हास प्रावधान खाता नहीं बनाया जाता है, तो आवश्यक जर्नल प्रविष्टियां दें।

उत्तर – वाहन पर प्रति वर्ष हास = 1,50,000 का 10% = 15,000 रुपये।

3 साल का कुल हास = 15,000 * 3 = 45,000 रुपये।

पुस्तक मूल्य = 1,50,000 - 45,000 = 1,05,000 रुपये।

विक्रय मूल्य = 90,000 रुपये।

हानि = 1,05,000 - 90,000 = 15,000 रुपये।

जर्नल प्रविष्टियां:

1. बैंक खाता Dr. 90,000

हानि खाता (विक्रय पर) Dr. 15,000

वाहन खाते से 1,05,000

(वाहन के विक्रय और उस पर हुई हानि दर्ज की गई)

प्रश्न 40 (कठिन). मैसर्स एबीसी लिमिटेड ने 1 जनवरी, 2018 को 2,00,000 रुपये की मशीनरी खरीदी। कंपनी प्रति वर्ष 10% की दर से सीधी रेखा पद्धति पर हास लगाती है और हास प्रावधान खाता बनाए रखती है। 1 जुलाई, 2020 को, उस मशीन का एक हिस्सा जिसकी मूल लागत 50,000 रुपये थी, 25,000 रुपये में बेच दिया गया। 31 दिसंबर को खाते बंद होते हैं। मशीन निपटान खाता तैयार करें।

उत्तर – सबसे पहले बेचे गए हिस्से का हास निकालेंगे:

1 जनवरी, 2018 से 31 दिसंबर, 2018 तक (1 साल): 50,000 * 10% = 5,000 रुपये

1 जनवरी, 2019 से 31 दिसंबर, 2019 तक (1 साल): 50,000 * 10% = 5,000 रुपये

1 जनवरी, 2020 से 1 जुलाई, 2020 तक (6 महीने): 50,000 * 10% * (6/12) = 2,500 रुपये

कुल संचित हास (1 जुलाई, 2020 तक) = 5,000 + 5,000 + 2,500 = 12,500 रुपये।

पुस्तक मूल्य (1 जुलाई, 2020 को) = $50,000 - 12,500 = 37,500$ रुपये।

विक्रय मूल्य = 25,000 रुपये।

हानि = $37,500 - 25,000 = 12,500$ रुपये।

मशीन निपटान खाता (Machine Disposal Account):

डेबिट साइड (Dr.)

1 जुलाई 2020 | मशीनरी खाते से | 50,000

1 जुलाई 2020 | लाभ-हानि खाते से (विक्रय पर हानि) | 12,500

क्रेडिट साइड (Cr.)

1 जुलाई 2020 | ह्रास पर प्रावधान खाते से | 12,500

1 जुलाई 2020 | बैंक खाते से | 25,000

कुल डेबिट = 62,500, कुल क्रेडिट = $37,500 + 25,000 = 62,500$. खाता बराबर।

» वर्तमान परिसंपत्ति में बढ़ोतरी एवं विस्तार का लेखांकन

प्रश्न 41 (आसान). अगर किसी मशीन पर नया पार्ट लगाने से उसकी उत्पादन क्षमता 20% बढ़ जाए, तो यह खर्च पूंजीगत है या आयगत?

उत्तर – यह पूंजीगत व्यय है।

प्रश्न 42 (आसान). सामान्य मरम्मत और परिसंपत्ति विस्तार में मुख्य अंतर क्या है?

उत्तर – सामान्य मरम्मत से परिसंपत्ति की वर्तमान स्थिति बनी रहती है, जबकि विस्तार से उसकी कार्यक्षमता या जीवनकाल बढ़ता है।

प्रश्न 43 (मध्यम). एक पुरानी बिल्डिंग में लिफ्ट लगाई गई, जिस पर 2,00,000 रुपये खर्च हुए। बिल्डिंग की मूल लागत 10,00,000 रुपये थी। इस खर्च का लेखांकन कैसे करेंगे और क्यों?

उत्तर – यह पूंजीगत व्यय है। इसे बिल्डिंग की लागत में जोड़ा जाएगा (अब बिल्डिंग की लागत 12,00,000 रुपये होगी) क्योंकि लिफ्ट लगाने से बिल्डिंग का उपयोग बेहतर हुआ और उसकी वैल्यू बढ़ गई।

प्रश्न 44 (कठिन). मैसर्स 'ज्ञानदीप' ने 1 जुलाई, 2021 को 4,00,000 रुपये की मशीन खरीदी। 1 अक्टूबर, 2022 को उन्होंने 60,000 रुपये खर्च करके मशीन में एक ऐसा अपग्रेडेशन कराया जिससे उसकी क्षमता बढ़ गई। 31 मार्च, 2023 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष के लिए ह्रास (10% प्रति वर्ष, सीधी रेखा विधि) की गणना करें।

उत्तर – 1 जुलाई, 2021 से 31 मार्च, 2022 तक का ह्रास (9 महीने): $4,00,000 * 10\% * 9/12 = 30,000$ रुपये।

1 अप्रैल, 2022 से 30 सितंबर, 2022 तक का ह्रास (6 महीने): $4,00,000 * 10\% * 6/12 = 20,000$ रुपये।

1 अक्टूबर, 2022 को अपग्रेडेशन के बाद मशीन की लागत: $4,00,000 + 60,000 = 4,60,000$ रुपये।

1 अक्टूबर, 2022 से 31 मार्च, 2023 तक का ह्रास (6 महीने): $4,60,000 * 10\% * 6/12 = 23,000$ रुपये।

वित्तीय वर्ष 2022-23 का कुल ह्रास: $20,000 + 23,000 = 43,000$ रुपये।

» प्रावधान का अर्थ और लेखांकन

प्रश्न 45 (आसान). वह राशि जो भविष्य के ज्ञात या संभावित खर्चों के लिए रखी जाती है, लेकिन जिसकी सटीक राशि अज्ञात होती है, उसे क्या कहते हैं?

उत्तर – प्रावधान (Provision)

प्रश्न 46 (आसान). क्या प्रावधान को चालू वर्ष के लाभ में से घटाया जाता है?

उत्तर – हाँ

प्रश्न 47 (मध्यम). फर्म को लगता है कि ₹2,00,000 के देनदारों पर 3% संदिग्ध ऋण हो सकते हैं। प्रावधान की राशि बताएं।

उत्तर – ₹6,000 ($2,00,000 \times 3\%$)

प्रश्न 48 (कठिन). यदि देनदार ₹5,00,000 हैं और संदिग्ध ऋणों के लिए 4% प्रावधान बनाना है, तो जर्नल प्रविष्टि क्या होगी?

उत्तर – Profit & Loss A/c Dr. ₹20,000 ($5,00,000 \times 4\%$)

To Provision for Doubtful Debts A/c ₹20,000

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. एक कंपनी ने 1 अप्रैल 2023 को ₹5,00,000 की एक मशीन खरीदी। अनुमान है कि यह मशीन 10 साल तक चलेगी। हर साल कितना ह्रास लगेगा?

- › मशीन की लागत = ₹5,00,000
- › मशीन का उपयोगी जीवन = 10 साल
- › हर साल का ह्रास = मशीन की लागत / उपयोगी जीवन
- › हर साल का ह्रास = ₹5,00,000 / 10 साल
- › हर साल का ह्रास = ₹50,000

उत्तर – हर साल ₹50,000 का ह्रास लगेगा।

उदाहरण 2. एक फैक्ट्री ने 5 लाख रुपये की एक नई मशीन खरीदी। तीन साल बाद बाजार में एक नया, ज़्यादा उन्नत मॉडल आ गया, जिससे पुरानी मशीन की उत्पादन क्षमता और मांग कम हो गई। बताइए ह्रास की कौन-कौन सी विशेषताएँ यहाँ दिख रही हैं?

- › मशीन एक स्थायी परिसंपत्ति है, जिस पर ह्रास लगता है।
- › तीन साल बाद मशीन के मूल्य में कमी आई है, जो कि स्थायी और निरंतर प्रक्रिया का हिस्सा है।
- › नए मॉडल के आने से पुरानी मशीन 'अप्रचलित' हो गई है, यह भी ह्रास का एक कारण है।
- › मशीन खरीदने के बाद कोई 'नकद' भुगतान नहीं हुआ है, फिर भी उसका मूल्य कम हुआ, जो इसकी गैर-नकदी व्यय की विशेषता को दर्शाता है।

उत्तर – इस उदाहरण में स्थायी परिसंपत्ति पर ह्रास लगना, मूल्य में निरंतर कमी, अप्रचलन के कारण ह्रास और गैर-नकदी व्यय की विशेषताएँ स्पष्ट दिख रही हैं।

उदाहरण 3. एक कंपनी ने ₹5,00,000 की मशीन, ₹10,00,000 की कोयले की खदान, और ₹2,00,000 का सॉफ्टवेयर खरीदा। हर एक पर होने वाली कमी के लिए सही शब्द का प्रयोग करें।

- › मशीन (Tangible Asset) है, इसलिए इसके मूल्य में कमी को 'ह्रास' कहेंगे।
- › कोयले की खदान (Natural Resource) है, इसलिए इसके उपयोग से होने वाली कमी को 'रिक्तीकरण' कहेंगे।
- › सॉफ्टवेयर (Intangible Asset) है, इसलिए इसके मूल्य में कमी को 'परिशोधन' कहेंगे।

उत्तर – मशीन पर ह्रास, कोयले की खदान पर रिक्तीकरण, सॉफ्टवेयर पर परिशोधन।

उदाहरण 4. एक फैक्ट्री ने ₹5,00,000 की मशीन खरीदी. 3 साल बाद बाजार में एक नई और अधिक कुशल मशीन आ गई, जिससे यह पुरानी मशीन कम उपयोगी लगने लगी. ह्रास का कौन सा कारण यहाँ प्रमुख है?

- › पहचानें कि मशीन का मूल्य कम क्यों हुआ.
- › मशीन अभी भी काम कर रही है, लेकिन बाजार में बेहतर विकल्प उपलब्ध है.
- › जब नई तकनीक या बेहतर उत्पाद आने से कोई पुरानी चीज़ बेकार या कम वांछनीय हो जाती है, तो उसे अप्रचलन कहते हैं.

उत्तर – यहाँ ह्रास का प्रमुख कारण 'अप्रचलन' (Obsolescence) है, क्योंकि नई और अधिक कुशल मशीन के आ जाने से पुरानी मशीन की मांग और उपयोगिता कम हो गई है.

उदाहरण 5. एक मशीन ₹1,00,000 में खरीदी गई। इसका अनुमानित उपयोगी जीवनकाल 10 वर्ष है और इसका अनुमानित अवशिष्ट मूल्य ₹10,000 है। सीधी रेखा पद्धति से वार्षिक ह्रास की गणना करें।

- › पहला कदम है परिसंपत्ति की लागत (Cost of Asset) निकालना, जो यहाँ ₹1,00,000 है।
- › दूसरा कदम है अनुमानित अवशिष्ट मूल्य (Estimated Salvage Value) देखना, जो ₹10,000 है।
- › तीसरा कदम है अनुमानित उपयोगी जीवनकाल (Estimated Useful Life) जानना, जो 10 वर्ष है।
- › अब, ह्रास योग्य लागत (Depreciable Cost) निकालेंगे = परिसंपत्ति की लागत - अनुमानित अवशिष्ट मूल्य। तो, ₹1,00,000 - ₹10,000 = ₹90,000।
- › और आखिर में, वार्षिक ह्रास (Annual Depreciation) = ह्रास योग्य लागत / अनुमानित उपयोगी जीवनकाल। यानी ₹90,000 / 10 = ₹9,000 प्रति वर्ष।

उत्तर – वार्षिक ह्रास की राशि ₹9,000 है।

उदाहरण 6. एक मशीन 1,00,000 रुपये में खरीदी गई। इसका अनुमानित उपयोगी जीवन 10 वर्ष है और इसका अवशिष्ट मूल्य 10,000 रुपये है। सीधी रेखा विधि से वार्षिक ह्रास की गणना करें।

- › सबसे पहले, हमें परिसंपत्ति की कुल लागत देखनी है, जो कि 1,00,000 रुपये है।
- › फिर, हमें अवशिष्ट मूल्य देखना है, जो कि 10,000 रुपये है।
- › अब, हम लागत में से अवशिष्ट मूल्य घटाएंगे: 1,00,000 रुपये - 10,000 रुपये = 90,000 रुपये। यह वो राशि है जिस पर हमें ह्रास लगाना है।
- › इसके बाद, हम देखेंगे कि मशीन का उपयोगी जीवनकाल कितना है, जो कि 10 वर्ष है।
- › अब, हम ह्रास योग्य राशि को उपयोगी जीवनकाल से भाग देंगे: 90,000 रुपये / 10 वर्ष = 9,000 रुपये।
- › तो, इस मशीन पर हर साल 9,000 रुपये का ह्रास लगाया जाएगा।

उत्तर – वार्षिक ह्रास = 9,000 रुपये

उदाहरण 7. एक कंपनी ने 1 अप्रैल 2022 को 2,00,000 रुपये की एक मशीन खरीदी। ह्रास की दर 10% प्रतिवर्ष है और विधि क्रमागत ह्रास विधि है। 31 मार्च 2024 को मशीन का पुस्तक मूल्य क्या होगा?

- › वर्ष 1 (2022-23) के लिए ह्रास की गणना:
- › मशीन की लागत = 2,00,000 रुपये
- › ह्रास (10% on 2,00,000) = 20,000 रुपये
- › 31 मार्च 2023 को पुस्तक मूल्य = 2,00,000 - 20,000 = 1,80,000 रुपये
- › वर्ष 2 (2023-24) के लिए ह्रास की गणना:
- › 31 मार्च 2023 का पुस्तक मूल्य = 1,80,000 रुपये
- › ह्रास (10% on 1,80,000) = 18,000 रुपये
- › 31 मार्च 2024 को पुस्तक मूल्य = 1,80,000 - 18,000 = 1,62,000 रुपये

उत्तर – 31 मार्च 2024 को मशीन का पुस्तक मूल्य 1,62,000 रुपये होगा।

उदाहरण 8. एक मशीन ₹1,00,000 में खरीदी गई। इसका अनुमानित उपयोगी जीवन 10 वर्ष है और इसका अवशिष्ट मूल्य शून्य है। सीधी रेखा विधि और क्रमागत हास विधि (20% प्रति वर्ष की दर से) का उपयोग करके पहले तीन वर्षों के लिए हास की गणना करें।

- › सीधी रेखा विधि (SLM):
- › वार्षिक हास = (मूल लागत - अवशिष्ट मूल्य) / उपयोगी जीवन
- › वार्षिक हास = (₹1,00,000 - ₹0) / 10 = ₹10,000
- › पहले साल का हास: ₹10,000
- › दूसरे साल का हास: ₹10,000
- › तीसरे साल का हास: ₹10,000
- › क्रमागत हास विधि (WDV):
- › पहले साल का हास: ₹1,00,000 का 20% = ₹20,000
- › पहले साल के अंत में पुस्तक मूल्य: ₹1,00,000 - ₹20,000 = ₹80,000
- › दूसरे साल का हास: ₹80,000 का 20% = ₹16,000
- › दूसरे साल के अंत में पुस्तक मूल्य: ₹80,000 - ₹16,000 = ₹64,000
- › तीसरे साल का हास: ₹64,000 का 20% = ₹12,800
- › तीसरे साल के अंत में पुस्तक मूल्य: ₹64,000 - ₹12,800 = ₹51,200

उत्तर – सीधी रेखा विधि के अनुसार, तीनों वर्षों में वार्षिक हास ₹10,000 होगा। क्रमागत हास विधि के अनुसार, पहले साल ₹20,000, दूसरे साल ₹16,000, और तीसरे साल ₹12,800 का हास होगा।

उदाहरण 9. एक मशीन 1 अप्रैल 2023 को ₹1,00,000 में खरीदी गई। इस पर 10% सीधी रेखा विधि से हास लगाया जाता है। 31 मार्च 2024 को पहले साल के हास को कैसे रिकॉर्ड करेंगे? दोनों पद्धतियों से दिखाएँ।

- › पहला तरीका: जब हास सीधे परिसंपत्ति खाते पर लगाया जाता है।
- › पहला कदम: सबसे पहले, हास की राशि निकालो। ₹1,00,000 का 10% = ₹10,000।
- › दूसरा कदम: अब इसकी जर्नल एंट्री बनाओ। एंट्री होगी: Depreciation Account Dr. ₹10,000 to Machine Account Cr. ₹10,000।
- › तीसरा कदम: इसके बाद, Depreciation Account को Profit & Loss Account में ट्रांसफर करेंगे। एंट्री होगी: Profit & Loss Account Dr. ₹10,000 to Depreciation Account Cr. ₹10,000।
- › दूसरा तरीका: जब हास पर प्रावधान खाता/ संचित हास खाता बनाया जाता है।
- › पहला कदम: हास की राशि तो वही रहेगी – ₹10,000।
- › दूसरा कदम: इसकी जर्नल एंट्री थोड़ी अलग होगी। एंट्री होगी: Depreciation Account Dr. ₹10,000 to Provision for Depreciation Account Cr. ₹10,000।
- › तीसरा कदम: Depreciation Account को Profit & Loss Account में ट्रांसफर करने की एंट्री वही रहेगी: Profit & Loss Account Dr. ₹10,000 to Depreciation Account Cr. ₹10,000।
- › इसमें मशीन खाते से सीधे हास कम नहीं होता, बल्कि Provision for Depreciation Account में जमा होता रहता है।

उत्तर – दोनों ही पद्धतियों में हास की राशि ₹10,000 है, लेकिन जर्नल एंट्री में मशीन खाते या संचित हास खाते का प्रयोग करने का तरीका अलग-अलग है।

उदाहरण 10. करण एंटरप्राइजेज के पास 31 मार्च, 2017 को 6,00,000 रुपये की मशीनरी (सकल मूल्य) और 2,50,000 रुपये का हास पर प्रावधान था। 1 नवंबर, 2013 को 1,00,000 रुपये में खरीदी गई एक मशीन, जिस पर 60,000 रुपये का संचित हास था, को 1 अप्रैल, 2017 को 35,000 रुपये में बेचा गया। मशीन निपटान खाता बनाइए।

- › सबसे पहले, मशीन निपटान खाता (Machine Disposal Account) खोलेंगे।
- › जो मशीन बेची गई, उसकी मूल लागत (Original Cost) 1,00,000 रुपये को मशीन निपटान खाते के डेबिट पक्ष में लिखेंगे। (मशीनरी खाते से मशीनरी निपटान खाते में ट्रांसफर)
- › उस मशीन पर जो संचित हास (Accumulated Depreciation) 60,000 रुपये था, उसे हास पर प्रावधान खाते से

मशीन निपटान खाते के क्रेडिट पक्ष में लिखेंगे।

› मशीन बेचकर जो पैसे मिले, यानी 35,000 रुपये, उसे बैंक/नकद खाते के नाम से मशीन निपटान खाते के क्रेडिट पक्ष में लिखेंगे।

› अब हम देखेंगे कि हमें लाभ हुआ या हानि। बेची गई मशीन की मूल लागत 1,00,000 रुपये थी और उस पर 60,000 रुपये का ह्रास लग चुका था, तो उसकी पुस्तक मूल्य (Book Value) $1,00,000 - 60,000 = 40,000$ रुपये थी।

› हमने उसे 35,000 रुपये में बेचा, यानी 40,000 रुपये की चीज़ 35,000 रुपये में बेची, तो 5,000 रुपये का नुकसान हुआ ($40,000 - 35,000 = 5,000$)।

› इस 5,000 रुपये की हानि को मशीन निपटान खाते के डेबिट पक्ष में लाभ-हानि खाते (Profit & Loss Account) के नाम से लिखेंगे।

उत्तर – मशीन निपटान खाते का डेबिट बैलेंस 5,000 रुपये हानि दिखाता है, जिसे लाभ-हानि खाते में ट्रांसफर कर दिया जाएगा।

उदाहरण 11. मैसर्स 'शाइनिंग स्टार' ने 1 अप्रैल, 2022 को 5,00,000 रुपये में एक मशीन खरीदी। वे इस पर 10% की दर से सीधी रेखा विधि (Straight Line Method) से ह्रास लगाते हैं। 1 अप्रैल, 2023 को उन्होंने मशीन की कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए 50,000 रुपये खर्च किए। मशीन खाता और ह्रास प्रावधान खाता 31 मार्च, 2024 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए बनाइए।

› पहले 1 अप्रैल 2022 को मशीन खरीदी, तो मशीन खाते में डेबिट करेंगे 5,00,000 रुपये।

› 31 मार्च 2023 को पहले वर्ष का ह्रास निकालेंगे: 5,00,000 का 10% = 50,000 रुपये। इसे ह्रास प्रावधान खाते में जमा (credit) करेंगे।

› अब, 1 अप्रैल 2023 को 50,000 रुपये का कार्यक्षमता बढ़ाने का खर्च किया। यह मशीन की लागत में जुड़ेगा। तो, मशीन खाते में 50,000 रुपये और डेबिट होंगे। अब मशीन की कुल लागत $5,00,000 + 50,000 = 5,50,000$ रुपये हो गई।

› 31 मार्च 2024 को दूसरे वर्ष का ह्रास निकालेंगे। अब मशीन की बढ़ी हुई लागत पर ह्रास लगेगा (क्योंकि हमने सीधी रेखा विधि अपनाई है): $5,50,000$ का 10% = 55,000 रुपये। इसे ह्रास प्रावधान खाते में जमा (credit) करेंगे।

› मशीन खाते में अंतिम शेष (closing balance) होगा 5,50,000 रुपये।

› ह्रास प्रावधान खाते में अंतिम शेष होगा पहले साल का 50,000 + दूसरे साल का 55,000 = 1,05,000 रुपये।

उत्तर – 31 मार्च 2024 को मशीन खाते का शेष 5,50,000 रुपये (डेबिट) और ह्रास प्रावधान खाते का शेष 1,05,000 रुपये (क्रेडिट) होगा।

उदाहरण 12. एक फर्म को लगता है कि चालू वर्ष में ₹1,00,000 के देनदारों (debtors) में से 5% संदिग्ध ऋण (doubtful debts) हो सकते हैं। संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान का लेखांकन कैसे करेंगे?

› सबसे पहले, संदिग्ध ऋणों की अनुमानित राशि निकालेंगे: ₹1,00,000 का 5% = ₹5,000।

› अब, इस राशि के लिए रोज़नामचा प्रविष्टि (Journal Entry) करेंगे। यह एक व्यय है, तो लाभ-हानि खाते के डेबिट में आएगा।

› प्रविष्टि होगी: लाभ-हानि खाता डेबिट ₹5,000 से 'संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान' खाता क्रेडिट ₹5,000 से।

› इसका मतलब है कि हमने ₹5,000 का प्रावधान बना लिया है, जो कि देनदारों में से कम दिखाया जाएगा और लाभ में से घट जाएगा।

उत्तर – संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान ₹5,000 बनाया जाएगा। जर्नल एंट्री: Profit & Loss A/c Dr. ₹5,000 To Provision for Doubtful Debts A/c ₹5,000

बोर्ड परीक्षा के लिए खास

• ह्रास की परिभाषा और इसके कारणों पर अक्सर छोटे प्रश्न पूछे जाते हैं। साथ ही, सरल रेखा विधि से ह्रास की गणना करने वाले छोटे न्यूमेरिकल भी आ सकते हैं।

- यह टॉपिक बोर्ड परीक्षाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर हास की विशेषताओं को लिखने या किसी उदाहरण में पहचानने के लिए पूछा जाता है। खासकर 'गैर-नकदी व्यय' वाले पॉइंट को ध्यान से समझना।
- यह अंतर बोर्ड परीक्षाओं में एक या दो नंबर के प्रश्न में अक्सर पूछा जाता है, सीधा-सीधा परिभाषा या उदाहरण के साथ।
- बोर्ड परीक्षा में 'हास के कारण' पर सीधा प्रश्न आ सकता है। हर कारण को उदाहरण के साथ समझाने के लिए तैयार रहें।
- यह अवधारणा बोर्ड परीक्षाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर सीधे प्रश्न पूछे जाते हैं कि हास गणना को प्रभावित करने वाले तत्व कौन-कौन से हैं, या फिर इनसे संबंधित न्यूमेरिकल प्रश्न आते हैं।
- यह विधि बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इसके सूत्र को अच्छे से याद कर लेना और दिए गए उदाहरणों का खूब अभ्यास करना।
- यह विधि बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है! इसके सवाल अक्सर सीधे-सीधे हास गणना या खाते बनाने में आते हैं, इसलिए अच्छे से अभ्यास करना।
- यह तुलना बोर्ड परीक्षाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर, इन दोनों विधियों के बीच अंतर या किसी एक विधि की उपयुक्तता पर प्रश्न आते हैं। दोनों विधियों की गणना का आधार, वार्षिक प्रभार और उपयुक्तता के बिंदुओं को ठीक से याद रखना।
- परिसंपत्ति निपटान खाते के सवालों में संचित हास की गणना और उसे सही खाते में ट्रांसफर करना सबसे महत्वपूर्ण है। अगर 'हास पर प्रावधान' खाता है, तो हास सीधे संपत्ति से नहीं घटेगा, बल्कि प्रावधान खाते से निपटान खाते में जाएगा। यह गलती मत करना!
- यह अवधारणा बोर्ड परीक्षाओं में हास के बड़े प्रश्नों में अक्सर एक छोटे बिंदु के रूप में आती है। ध्यान रखना कि कब खर्च को पूंजीगत मानना है और कब आयगत, नहीं तो पूरा हास गलत हो जाएगा।
- बोर्ड परीक्षा में प्रावधान और संचय के बीच अंतर अक्सर पूछा जाता है। इसे बहुत अच्छे से समझकर जाना।

एक नज़र में रिवीज़न

- › स्थायी परिसंपत्तियों के मूल्य में कमी, उपयोग/समय के कारण, सही लाभ-हानि हेतु आवश्यक।
- › हास: स्थायी परिसंपत्तियों पर, स्थायी/निरंतर कमी, गैर-नकदी व्यय।
- › हास (मूर्त), रिक्तीकरण (प्राकृतिक संसाधन), परिशोधन (अमूर्त) संपत्तियों के मूल्य में कमी।
- › हास के कारण: घिसावट, समय, अप्रचलन, कानूनी अधिकार समाप्ति, असामान्य तत्व।
- › लागत, अवशिष्ट मूल्य, उपयोगी जीवनकाल – ये हास गणना के मुख्य तत्व हैं।
- › सीधी रेखा विधि: हर साल हास समान; (लागत - अवशिष्ट मूल्य) / उपयोगी जीवनकाल।
- › क्रमागत हास: हास हमेशा पुस्तक मूल्य पर, राशि हर साल कम होती जाती है।
- › SLM: मूल लागत, स्थिर हरास; WDV: पुस्तक मूल्य, घटता हरास।
- › परिसंपत्ति निपटान = बिक्री/हटाना, लाभ/हानि दर्ज करना। निपटान खाता = सभी लेन-देन एक जगह।
- › क्षमता/जीवनकाल बढ़ाने वाले खर्च परिसंपत्ति की लागत में जुड़ते हैं, हास लगता है।
- › भविष्य के ज्ञात खर्चों (अज्ञात राशि) के लिए लाभ से अलग रखी गई राशि।